

Report on Inauguration of Alumni Lecture Series

The Department of Chemistry initiated Alumni Lecture Series in the department. In the inception of the series, the first lecture on 19 September, 2022. The program began with Dr. Manisha Shukla welcoming the guests. Following this Prof. Anil Mishra, Head of the Department gave his welcome address. He apprised the audience about the progress and activities of the department and the purpose of this Alumni Lecture Series and also mentioned that it was with the support of all faculty members that this program could be made possible. There will be many more lectures of Alumni in future too. The speaker and Director Alumni Cell were welcomed by mementoes by Dr. Ramesh Chandra and Dr. Pragati Kushwaha. Prof. Mishra said that it is worth mentioning that the mementoes given were made by an employee of the department Ms. Barkha. He then invited the Director, Alumni Cell of the University Prof. Sudhir Mehrotra to inaugurate the lecture series by clicking on the button. The remote was handed to him by Dr. Shashi Pandey. The lecture series was to be inaugurated by the Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai but due to his administrative commitments he was unable to come. In his address Prof. Mehrotra appreciated the efforts of the department and said that such lectures will not only create curiosity amongst the Ph.D. students and faculty members of the department but will nurture the understanding about the subject amongst the post-graduate students. This will uplift the academic infrastructure of the department as well as the University.

The first lecture in this series was delivered by **Dr. Ashvani Singh**, the student of M.Sc. Chemistry 1984 batch and currently Senior Principal Research Scientist, Abbvie, Inc., Chicago, IL, USA. Dr. Seema Mishra introduced the speaker of the day to the audience. In his lecture on "How to Discover Drugs" Dr. Singh presented a wide overview about the steps involved in the development of drug with special reference to cystic fibrosis. He conveyed that the protein structure play pivotal role in the development of targeted drug. He outlined how multiple therapy could be used for the treatment of this disease.

Dr. Pratibha Bansal proposed a vote of thanks. She especially thanked Dr. Ashvani Singh for sparing his valuable time to the department and said that such lecture series will be continuing in future also. In the program some alumni Dr. D.K.

Dixit of 1971 batch, Dr. Saheena Yasmeen of 1983 batch, Dr. Sonika Bhatia and Dr. Archana Talwar of 1988 batch along with all the faculty members, Ph.D. students and postgraduate students were present.





Reports in Electronic Media

<https://newstrack.com/uttar-pradesh/lucknow-university-chemistry-department-started-alumni-lecture-series-336648>

<https://breakingalertz.com/lucknow-university-chemistry-department-started-alumni-lecture-series-336648/>

<https://samarsaleel.com/lecture-on-how-to-discover-drugs-at-lucknow-university/277150>

Links on YouTube

https://youtu.be/xwDT1Hd_8tA

<https://youtu.be/d9alp0ztTrY>

Reports in Print Media

NBT PAGE 4

**एलयू में पूर्व छात्र
व्याख्यान श्रृंखला शुरू**

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में सोमवार को पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत की। इस बीच उन्होंने कहा कि इस तरह के व्याख्यान पीएचडी विभाग, संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर छात्रों की समझ विकसित करेंगे। इससे पहले एमएससी रसायन विज्ञान 1984 बैच के छात्र डॉ. अश्वनी सिंह ने अपना व्याख्यान दिया। वह एबी इंफ. शिकागो, यूएसए में वरिष्ठ प्रधान अनुसंधान वैज्ञानिक हैं। कार्यक्रम में 1971 बैच के डॉ. डीके दीक्षित और डॉ. सहीना भी शामिल रहे।

JAGRAN CITY PAGE 5

'दवा के विकास में प्रोटीन की अहम भूमिका'



विशेष व्याख्यान देते रसायन विज्ञान 1984 बैच के छात्र डा. अश्वनी सिंह

प्रो. अनिल मिश्रा, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, 1971 बैच के छात्र डा. डीके दीक्षित, 1983 बैच की डा. सहीना, 1988 बैच की डा. सोनिका भाटिया उपस्थित रहीं।

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में सोमवार को पुरातन छात्र व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत हुई। इसमें 1984 बैच के छात्र व अमेरिका में वरिष्ठ प्रधान अनुसंधान विज्ञानी डा. अश्वनी सिंह ने हाउ टू डिस्कवर ड्रग्स विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सिस्टिक फाइब्रोसिस के विशेष संदर्भ में बताया कि इस दवा के विकास में प्रोटीन संरचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विभागाध्यक्ष

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

**रसायन विज्ञान के पूर्व छात्र ने दी दवाओं
को विकसित करने की जानकारी**

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला शुरू हुई है, जिसमें पहला व्याख्यान यूएसए से आए वैज्ञानिक डा. अश्वनी सिंह ने दिया। रसायन विभाग में हुए व्याख्यान में कई पूर्व छात्र मौजूद रहे, जहां व्याख्यान से पहले पुरानी यादों को ताजा किया गया। व्याख्यान श्रृंखला में रसायन विज्ञान के 1984 बैच के छात्र डा. अश्वनी सिंह शिकागो में वरिष्ठ प्रधान अनुसंधान वैज्ञानिक के पद कार्यरत हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान में दवा के विकास में शामिल कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दवा के विकास में प्रोटीन संरचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

AMRIT VICHAR PAGE 6

**पूर्व छात्र व्याख्यान
श्रृंखला आयोजित**

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन सोमवार को किया गया। इस मौके पर एमएससी रसायन विज्ञान 1984 बैच के छात्र डॉ. अश्वनी सिंह शामिल हुए। अश्वनी वर्तमान में वरिष्ठ प्रधान अनुसंधान वैज्ञानिक, यूएसए में कार्यरत हैं।

व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने किया। अपने संबोधन में प्रो. मेहरोत्रा ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और

कहा कि इस तरह के व्याख्यान न केवल पीएचडी विभाग के छात्र और संकाय सदस्य लेकिन स्नातकोत्तर छात्रों के बीच विषय के बारे में समझ का पोषण करेंगे। इससे विभाग के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे का भी उत्थान होगा। "हाउ टू डिस्कवर ड्रग्स" पर अपने व्याख्यान में डॉ. सिंह ने सिस्टिक फाइब्रोसिस के विशेष संदर्भ में दवा के विकास में शामिल कदमों के बारे में एक विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि लक्षित दवा के विकास में प्रोटीन संरचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।